दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 04.02.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 04.02.2026 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में आज एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। दिनांक 4 फरवरी, 2026 को महाविद्यालय की दिग्विजयनाथ वित्तपोषण योजना' के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता हेतु साक्षात्कार प्रक्रिया का सफल आयोजन किया गया। निर्धारित समितियों द्वारा महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मध्य से कठोर मूल्यांकन के पश्चात कुल 202 विद्यार्थियों का चयन किया गया। यह योजना न केवल आर्थिक रूप से वंचित युवाओं को उच्च शिक्षा के द्वार खोलने में सहायक सिद्ध हो रही है, अपितु सामाजिक समानता एवं समावेशी विकास की दिशा में महाविद्यालय की दृढ़ प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करती है।

समन्वयक डॉ. अनीता कुमारी ने इस अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए 580 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जबकि साक्षात्कार में 510 विद्यार्थी उपस्थित हुए। इनमें से योग्यता एवं अर्हता के कठिन मानदंडों पर खरा उतरते हुए 202 विद्यार्थी अर्ह पाए गए। डॉ. अनीता ने जोर देकर कहा कि चयनित विद्यार्थियों को वित्तपोषण संबंधी धनराशि महाविद्यालय द्वारा उनके बैंक खातों में शीघ्र ही प्रेषित कर दी जाएगी। यह प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं डिजिटल माध्यम से संपन्न की जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को तत्काल लाभ पहुंच सके। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि यह योजना महाविद्यालय में प्रथम बार वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई थी। तदोपरांत, प्रतिवर्ष स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा सीधे उनके खातों में धनराशि उपलब्ध कराई जाती रही है। इस योजना ने अब तक सैकड़ों विद्यार्थियों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे वे न केवल अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहे हैं, बल्कि समाज में योगदानकर्ता के रूप में उभर भी रहे हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह ने इस साक्षात्कार प्रक्रिया के सफल समापन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, दिग्विजयनाथ वित्तपोषण योजना महाविद्यालय की एक क्रांतिकारी पहल है, जो आर्थिक बाधाओं को दूर कर प्रतिभाओं को पंख प्रदान करती है। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी योग्य विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। यह योजना न केवल विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, अपितु उन्हें आत्मनिर्भरता, अनुशासन एवं कृतज्ञता के मूल्यों से भी परिचित कराती है। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इस योजना को और अधिक विस्तार प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक वंचित युवा इसका लाभ उठा सकें।ष प्रोफेसर सिंह ने आगे जोर दिया कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के समावेशी शिक्षा के दृष्टिकोण से तथा स्थानीय स्तर पर सामाजिक उत्थान का प्रतीक बनी हुई है।

यह योजना महाविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास एवं दिग्विजयनाथ जी के आदर्शों से प्रेरित है, जो शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते थे। गोरखपुर जिले के ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह वित्तपोषण एक वरदान सिद्ध हो रहा है। योजना के तहत प्रदान की जाने वाली धनराशि ट्यूशन फीस, पुस्तक खरीद, आवासीय व्यय एवं अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उपयोगी सिद्ध होती है। अब तक इस योजना से लाभान्वित विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं, जैसे कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, शोध कार्य एवं सामाजिक सेवा। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस वर्ष भी योजना को और सशक्त बनाने हेतु अतिरिक्त कोष आवंटित किया है, जिससे अधिक विद्यार्थियों तक यह लाभ पहुंच सके।

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हुए सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के मध्य उत्साह का संचार करता है, अपितु समस्त समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक भी बनाता है। महाविद्यालय सभी हितधारकों से अपील करता है कि वे इस प्रकार की योजनाओं को प्रोत्साहित करें तथा योग्य विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करें।

इस अवसर पर आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, प्रो. अर्चना सिंह, मुख्य नियंता डॉ राम प्रसाद यादव, डॉ सुनील कुमार सिंह, नियंता मंडल के सभी सदस्य अन्य शिक्षण एवं शिक्षणेतर कर्मचारी तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क